मन्नार की खाड़ी में हाइड्रोकार्बन अन्वेषण

[स्रोत: द हिंदू](#)

भारत सरकार ने अपने नवीनतम [हाइड्रोकार्बन अन्वेषण](#) निविदा में **तमिलनाडु** के [मन्नार की खाड़ी](#) के लगभग **10,000 वर्ग किलोमीटर गभीर सागर क्षेत्र** को शामिल किया है, जिससे समुद्री जैवविविधता और स्थानीय आजीविका पर इसके प्रभाव को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं।

- **अन्वेषण निविदा: पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय** ने **10वीं ओपन एकरेज लाइसेंसिंग नीति** (भारत की [हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसीकरण नीति](#) के तहत एक तंत्र जिसके माध्यम से निवेशकों को तेल और गैस अन्वेषण हेतु ब्लॉक चयन करने की अनुमति दी जाती है) के तहत 25 अपतटीय क्षेत्रों को शामिल किया है।
- **मन्नार की खाड़ी:** यह हिंद महासागर में **लक्षद्वीप सागर** का एक हिस्सा है, जिसमें **21 द्वीप** हैं। यह **श्रीलंका के उत्तर-पश्चिमी तट** और **भारत के दक्षिण-पूर्वी तट** के बीच विस्तृत है।
  - इसकी सीमा रामेश्वरम, रामसेतु पुल (जिसे एडम ब्रिज भी कहा जाता है) और मन्नार द्वीप (श्रीलंका) से लगती है।
  - इसमें **ताम्रपर्णी (भारत) और अरुवी (श्रीलंका)** जैसी नदियाँ बहती हैं तथा यहाँ **तूतीकोरिन बंदरगाह** भी स्थित है।
  - यह **मन्नार खाड़ी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान** है, जो दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया का पहला **समुद्री बायोस्फीयर रिज़र्व** है।
    - यहाँ **117 प्रवाल प्रजातियाँ, 450 से अधिक मछली प्रजातियाँ, तथा विश्व स्तरीय संकटापन्न प्रजातियाँ** जैसे डुगोंग, व्हेल शार्क और समुद्री कछुए पाए जाते हैं।

[//](#)

और पढ़ें: [मन्नार की खाड़ी में कोरल ब्रीच](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/hydrocarbon-exploration-in-gulf-of-mannar